भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं0 27**

30.11.2015 को उत्तर के लिए

**कोल इंडिया लिमिटेड का हरित क्षेत्र संबंधी दावा**

27. **श्री पॉल मनोज पांडियन:**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 211 वर्ग किलोमीटर, जहां कोल इंडिया लिमिटेड (सीआर्इएल) वृक्ष लगाने का दावा करता है, में से लगभग आधे क्षेत्र में कोर्इ भी हरित क्षेत्र नहीं पाया गया;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इस संबंध में सीआर्इएल से स्पष्टीकरण मांगा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क)से (घ) कोयला मंत्रालय ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को सूचित किया है कि वर्ष 2009 से कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की खुली खदानों में सेंट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) द्वारा हाई रिजोल्यूशन सुदूर संवेदी उपग्रह आंकड़ा का प्रयोग करते हुए भूमि पुनरूद्धार की निगरानी की जा रही है । पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को कोयला मंत्रालय द्वारा यथा सूचित सीएमपीडीआई द्वारा की गई सीआईएल की खुली खदानों के पुनरूद्धार की निगरानी का ब्यौरा संलग्न किया गया है ।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने खनित क्षेत्रों के पुनरूद्धार की गुणवत्ता और विस्तार का आकलन करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड को भू-संदर्भित मानचित्रों सहित खान-वार ब्यौरा प्रदान करने का अनुरोध किया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अधिकांश कोयला खानों के भू-संदर्भित मानचित्र सीआईएल से प्रतीक्षित है ।

\*\*\*\*\*\*

**अनुबंध**

**कोल इंडिया लिमिटेड का हरित क्षेत्र संबंधी दावा के संबंध में दिनांक 30.11.2015 को श्री पॉल मनोज पांडियन द्वारा पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 27 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को कोयला मंत्रालय द्वारा यथासूचित सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीट्यूट द्वारा की गई कोल इंडिया लिमिटेड की खुली खदानों के पुनरूद्धार की निगरानी का ब्यौरा**

प्रतिवर्ष 5 मिलियन घन मीटर (कोयला और अतिभारित प्रमात्रा दोनों) वाली 50 अदद खुली खदानों की वार्षिक आधार पर निगरानी की जा रही है और 5 मिलियन घन मीटर से कम उत्पादन कर रही खुली खदानों की तीन चरणों में 3 वर्षों के अंतराल पर वर्ष 2011 से निगरानी की जा रही है । वर्ष 2014 के लिए उपग्रह डाटा का विश्लेषण दर्शाता है कि उत्खनित 492 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में से 211.63 वर्ग कि.मी. (43%) क्षेत्र का जैविक रूप से पुनरूद्धार किया गया है। 167.67 वर्ग कि.मी. (34%) क्षेत्र बैंक फिलिंग (तकनीकी रूप से पुनरूद्धार) और शेष 113 वर्ग कि.मी. क्षेत्र (23%) सक्रिय रूप से खनन के अंतर्गत है ।

\*\*\*\*\*\*